an>

Title: Regarding peace and security in Punjab.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना) : मैडम, मैंने आपसे इसके लिए प्रार्थना की थी और आपने बोलने का मौका दिया।

मैडम, आज पता नहीं कौन-सी एजेंसी है या हमारा जो पड़ोसी मुल्क है, उसकी हर टाइम यही सोच रहती है कि कैसे हिन्दुस्तान को डिस्टर्ब किया जाए। आप देख लीजिए अभी कश्मीर में क्या हालात बने हुए हैं। वहां पर भी सिखों को बहुत बड़ा खतरा है। हमारे जो एस.जी.पी.सी. के प्रधान हैं, उन्होंने भी इसके बारे में चिट्ठी लिखी है। वहां कश्मीरी हिन्दुओं को तो पहले ही उन्होंने बाहर निकाला है। अब सिखों के लिए कोशिश कर रहे हैं कि किसी तरीके से डराकर, धमकाकर उन्हें कश्मीर से निकालें।

मैडम, पता नही क्या बात है कि पंजाब में लगातार, कभी सिखों के गुरु ग्रंथ साहिब से â€¦ *की जाती है, कभी कुरान शरीफ़ से â€¦ *की जाती है। खास तौर पर, आर.एस.एस. के जो लीडर हैं, वाइस प्रेसिडेंट हैं, उनको उन्होंने वहां टारगेट किया है।

मैडम, आपके माध्यम से मेरी होम मिनिस्ट्री को, प्राइम मिनिस्टर ऑफिस से यह गुज़ारिश है, क्योंकि प्राइम मिनिस्टर ऑफिस भी उस रात को लगातार पंजाब से इन-टच रहा, लेकिन वहां के डी.जी.पी. ने यह मांग की है कि पंजाब में जल्दी से जल्दी पारा मिलिट्री फोर्सेज भेजी जाएं। जो हमारी आई.बी. है, वह वहां पर बहुत ज्यादा अलर्ट रहे। कोई ऐसी बात न हो जाए, जिससे दोबारा पंजाब में आग लग जाए। बहुत कुर्बानियां देकर हमने पंजाब को शांत रखा है।

मेरी आपसे गुज़ारिश है कि होम मिनिस्ट्री वहां जल्दी से जल्दी अपनी एक टीम भेजे ताकि पंजाब पुलिस और पंजाब सरकार जो घबराई हुई है, उनका हौसला दोबारा बरकरार किया जाए, जिससे पंजाब की शांति बरकरार रहे और देश की शांति बरकरार रहे।

HON. SPEAKER: Shri Sharad Tripathi, Kunwar Pushpendra Singh and Shri Bhairon Prasad Mishra is permitted to associate with the issue raised by Shri Ravneet Singh .